

5-1/2 ता 1/5 व 3/1 ता 3/5- कीलाधिक
 हो चुकी है, बावजूद ताकि लिखा जा रहा है। अतः
 प्रि. ट. 1/2 ता 1/5, 3/1 ता 3/5 के खिलाफ
 एकपक्षी वकालत अमल में लाई जा रही है।
 पत्रावली वाले कायमी लनकीयार दिनांक
 20/5/3 को पेश हो।

उपखण्ड अधिकारी, सीकर

205/3- पत्रावली पेश हुई। वकील/ उभयपक्ष हाजिर। पीठासीन अधिकारी
 आज अन्य कार्य में व्यस्त है। पत्रावली पूर्वदिशानुसार
 दिनांक 21/5/3 को पेश हो। (म)

256/3- पत्रावली पेश हुई। वकील/ उभयपक्ष हाजिर। पीठासीन अधिकारी
 आज अन्य कार्य में व्यस्त है। पत्रावली पूर्वदिशानुसार
 दिनांक 28/8/3 को पेश हो। (म)

289/3- पत्रावली पेश हुई। वकील/ उभयपक्ष हाजिर। पीठासीन अधिकारी
 आज अन्य कार्य में व्यस्त है। पत्रावली पूर्वदिशानुसार
 दिनांक 9/11/3 को पेश हो। (म)

7/3- पत्रावली पेश हुई। वकील/ उभयपक्ष हाजिर। पीठासीन अधिकारी
 आज अन्य कार्य में व्यस्त है। पत्रावली पूर्वदिशानुसार
 दिनांक 2/12/3 को पेश हो। (म)

312/3- पत्रावली पेश की गई। उभयपक्ष हाजिर।
 वकील द्वारा पेश होकर वादकों के बीच बहस का
 काफ़र नोटें किया। वकील की पहचान किये बिना
 गवाप/मालु न के। अतः वाद वकील के वकालत
 नोटें इतिहास आधार पर तथा कधि. वादों की
 पहचान पर वाद न्या की खारिज किया जा रहा है।
 पत्रावली केवल अगार होकर नबवाले इम है,
 धाड़के हफर है। किंगड आज में देहताए
 ए. पुनया मधु

उपखण्ड अधिकारी, सीकर

वाद को नदर
 चलायी जाए
 राममोतर
 पहचान
 रामम
 3/12